(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस वर्ष बेची जाने वाली सामग्री की कीमत इन्हीं वस्तुओं की पिछले वर्ष की कीमतों की तुलना में ज्यादा है ;

(ग) यदि हां, तो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष खादी की विभिन्न किस्मों के मूल्यों में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई ; और

(घ) खादी ग्रामोद्योग के कर्मचारियों के पारिश्रमिक में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कितने प्रतिशत वृद्धि की गई है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० जे० कुरियन) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) खादी की विभिन्न किस्मों के मूल्यों में, पिछले वर्ष के प्रचलित मूल्यों की तुलना में लगभग 10 से 25 प्रतिशत की वृद्धि, मजदूरों में वृद्धि तथा कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण है ।

(घ) सीधे के०वी०आई० सी० के अधीन श्रमिक/कर्मचारी केन्द्र सरकार के वेतन मानों एवं नियमों द्वारा शासित किए जाते हैं । तथापि जो व्यक्ति के०वी०आई०सी० द्वारा सहायता प्राप्त संस्थाओं में कार्य कर रहे हैं, वे नियमों के विभिन्न सेटों द्वारा शासित किए जाते हैं । सूत कातने वालों और बुनकरों की आय उनके उत्पादन से संबद्ध होती है । 1-9-1991 से इन दरों में पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 20 प्रतिशत के बीच वृद्धि हुई है ।

Setting up of Joint Sector Companies by NRIs and MNCs

1402. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI BEKAL UTSAHI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the details of Joint Sector companies and enterprises set up with the enforcement of Government's New Industrial Policy encouraging NRI's and MNC's investments; and

(b) to what extent Government's revised policy has been a success in attracting NRI and MNC's investments?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. J. KURIEN): (a) and (b) After the announcement of the new Industrial Policy till 31-10-91, over 250 foreign collaboration proposals have been approved. Of these, over 60 proposals envisage direct foreign investment of about Rs. 170 crores (including investment by Non-Resident Indians in diverse industrial sectors like Industrial Machinery, Electrical equipments, Medical instruments, Chemicals, Food Processing Industries etc. this compares well with the total foreign investment of Rs. 128 crores approved during the whole of 1990.

Particulars of Foreign Collaboration approvals viz. name of the Indian company, name of the foreign collaborator, item of manufacture and nature of foreign collaboration, are published on a monthly basis by the Indian Investment Centre as a supplement to its monthly News Letter. Copies of this publication are sent regularly to the Parliament Library.

Issuing of Letters of Intents for setting up of industries

1403. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI BEKAL UTSAHI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what is the number of letters of intent issued so far for setting up of industries in sectors and areas where no licences are required under the New Industrial Policy; and

(b) what is their total production, in terms of value of goods produced per year and the quantum of different types of products manufactured per annum?